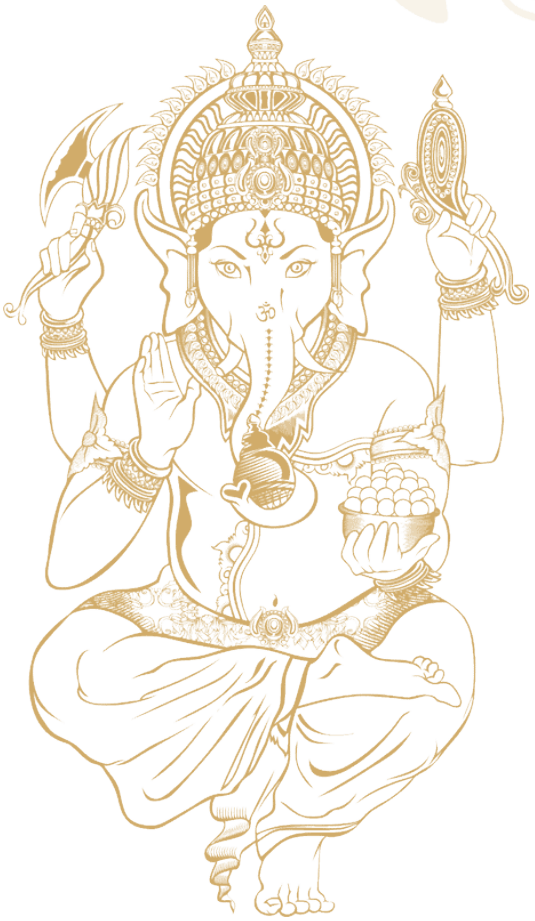

Aakash

18 Aug 1991

09:25 AM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935431

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1991**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:25:00 घंटे**
इष्ट	08:55:15 घटी
स्थान	**Gwalior**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:07:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	06:51:41 घंटे
सूर्योदय	05:50:53 घंटे
सूर्यास्त	18:51:21 घंटे
दिनमान	13:00:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:59:22 सिंह
लग्न के अंश	17:51:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:51:02	323:06:22	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			सिंह	00:59:22	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	11:39:42	12:02:09	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल			सिंह	27:14:40	00:38:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध	व	अ	सिंह	07:42:53	00:48:26	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु		अ	सिंह	00:49:07	00:13:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	08:20:17	00:34:32	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	08:10:57	00:03:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु			धनु	24:39:25	00:01:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	24:39:25	00:01:14	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:30:29	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	20:38:09	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	23:56:04	00:00:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	18:08:36	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:42

लग्न-चलित

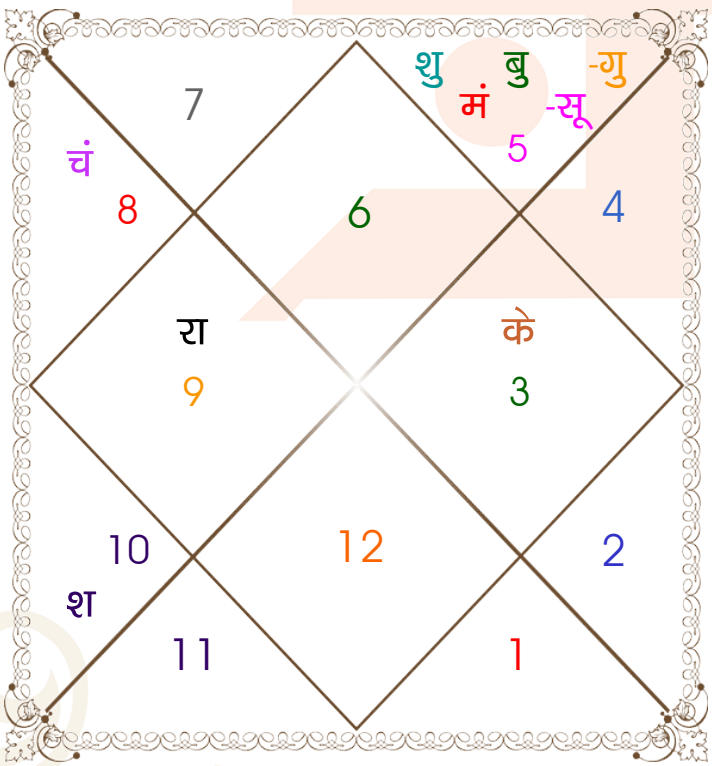

चन्द्र कुंडली

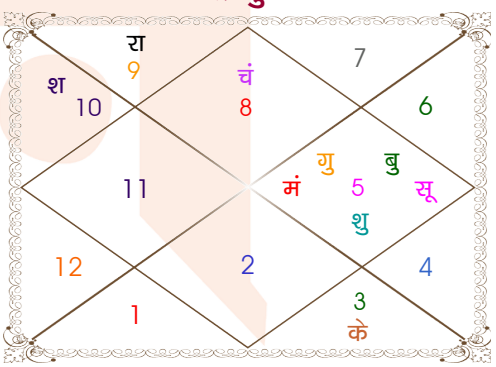

नवमांश कुंडली

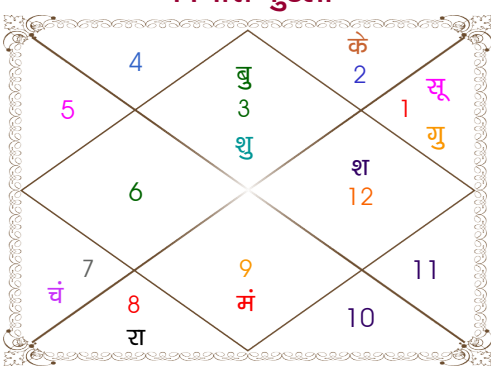

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 1 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/08/1991		05/10/1998		05/10/2015		05/10/2022		05/10/2042	
05/10/1998		05/10/2015		05/10/2022		05/10/2042		04/10/2048	
	00/00/0000	बुध	03/03/2001	केतु	02/03/2016	शुक्र	03/02/2026	सूर्य	22/01/2043
	00/00/0000	केतु	28/02/2002	शुक्र	02/05/2017	सूर्य	04/02/2027	चंद्र	24/07/2043
	00/00/0000	शुक्र	29/12/2004	सूर्य	07/09/2017	चंद्र	04/10/2028	मंगल	29/11/2043
	00/00/0000	सूर्य	04/11/2005	चंद्र	08/04/2018	मंगल	04/12/2029	राहु	23/10/2044
	18/08/1991	चंद्र	05/04/2007	मंगल	04/09/2018	राहु	04/12/2032	गुरु	11/08/2045
चंद्र	08/04/1992	मंगल	02/04/2008	राहु	23/09/2019	गुरु	05/08/2035	शनि	24/07/2046
मंगल	18/05/1993	राहु	20/10/2010	गुरु	29/08/2020	शनि	05/10/2038	बुध	30/05/2047
राहु	24/03/1996	गुरु	25/01/2013	शनि	08/10/2021	बुध	05/08/2041	केतु	05/10/2047
गुरु	05/10/1998	शनि	05/10/2015	बुध	05/10/2022	केतु	05/10/2042	शुक्र	04/10/2048

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/10/2048		05/10/2058		05/10/2065		05/10/2083		05/10/2099	
05/10/2058		05/10/2065		05/10/2083		05/10/2099		00/00/0000	
चंद्र	05/08/2049	मंगल	03/03/2059	राहु	17/06/2068	गुरु	22/11/2085	शनि	09/10/2102
मंगल	06/03/2050	राहु	21/03/2060	गुरु	10/11/2070	शनि	05/06/2088	बुध	18/06/2105
राहु	05/09/2051	गुरु	24/02/2061	शनि	16/09/2073	बुध	11/09/2090	केतु	28/07/2106
गुरु	04/01/2053	शनि	05/04/2062	बुध	05/04/2076	केतु	17/08/2091	शुक्र	26/09/2109
शनि	05/08/2054	बुध	02/04/2063	केतु	23/04/2077	शुक्र	17/04/2094	सूर्य	08/09/2110
बुध	04/01/2056	केतु	30/08/2063	शुक्र	23/04/2080	सूर्य	04/02/2095	चंद्र	19/08/2111
केतु	04/08/2056	शुक्र	29/10/2064	सूर्य	18/03/2081	चंद्र	05/06/2096		00/00/0000
शुक्र	05/04/2058	सूर्य	06/03/2065	चंद्र	17/09/2082	मंगल	12/05/2097		00/00/0000
सूर्य	05/10/2058	चंद्र	05/10/2065	मंगल	05/10/2083	राहु	05/10/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।